

जूताखोर वि. (देश.) 1. निर्लज्ज, बेहया 2. जो अपनी निर्लज्जता के कारण सदा तिरस्कृत और अपमानित होता हो 3. सदा मात खाना, मार खाने वाला 4. नीच।

जूति पुं. (तत्.) 1. वेग, तेजी 2. उत्तेजना, प्रवृत्ति, तेज रफ्तार।

जूतिका स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का कपूर।

जूतिया पुं. (देश.) जीव पुत्रिका व्रत।

जूती स्त्री. (देश.) स्त्रियों का जूता जो आकार में छोटा और वजन में अपेक्षाकृत हलका होता है।
मुहा. जूतियाँ उठाना- दासत्व करना; जूती की नोक पर मारना- किसी को कुछ न समझना; जूती की नोक से- बला से; जूती चाटना- चापलूसी करना; जूतियाँ चटकाते फिरना- मारा-मारा निरुद्देश्य फिरना 6. जूतियाँ बगल में दबाना- चुपचाप भागना।

जूतीखोर वि. (देश.) 1. निर्लज्ज, बेहया 2. नीच 3. जूतों की मार खाने वाला।

जूती छुपाई स्त्री. (देश.) 1. विवाह की एक रस्म जिसमें सालियों द्वारा दूल्हे के जूते छिपाने और लौटाने का नेग 'जूती छुपाई नेग' होता है, एक प्रकार का वैवाहिक नेग।

जूती-पैजार स्त्री. (देश.) 1. धौल-धप्पड़ 2. मारपीट 3. जूतों से मारपीट 4. कलह, दंगा, लड़ाई।

जूथ पुं. (तद्.) झुंड, समूह।

जूथका स्त्री. (तद्.) दे. यूथिका।

जूद क्रि.वि. (फा.) शीघ्र, जल्दी, झटपट।

जून पुं. (तद्.) समय, काल, बेला पुं. (अं.) अंग्रेजी कैलेंडर का छठा महीना।

जूना पुं. (तद्.) 1. बटकर बनाई गई घास-फूस की रस्सी 2. घास-फूस का लच्छा जो बरतन साफ करने के काम आता है।

जूनियर वि. (अं.) कालक्रम से पीछे का, छोटा विलो. सीनियर।

जूनी स्त्री. (तद्.) 1. दे. जूना 2. दे. योनि।

जूरिस्ट पुं. (अं.) विधि विशेषज्ञ, कचहरी के अनुकूल कानून में पारंगत।

जूरी स्त्री. (अं.) पंचों का वह मंडल जो फौजदारी मुकदमों में अपराधियों के बारे में अपनी राय देता है।

जूर्णाख्य पुं. (तत्.) कुश, तृण-विशेष।

जूर्णाह्वय पुं. (तत्.) देवधान्य।

जूर्णि स्त्री. (तत्.) 1. वेग 2. सूर्य 3. ब्रह्मा 4. क्रोध 5. स्त्रियों का एक रोग वि. (तत्.) 1. वेगवान, तेज़ 2. गला हुआ 3. ताप देने वाला 4. स्तुति करने में कुशल।

जूर्ति पुं. (तत्.) 1. ज्वर 2. ताप, गर्मी।

जूलाई स्त्री. (अं.) दे. जुलाई।

जूवा पुं. (तद्.) दे. जुआ।

जूष पुं. (अं.) उबाली या पकाई गई दाल या सब्जी का पानी, फलों या गन्ने का रस, जूस।

जूषण पुं. (तत्.) धाय नामक पेड़।

जूसी स्त्री. (अं.) रसदार, गाढ़ा रसीला पुं. 1. गाढ़ा रसीला रस 2. राब।

जूही स्त्री. (तद्.) दे. 'जुही'।

जूंभ पुं. (तत्.) 1. जँभाई 2. आलस्य 3. विस्तार।

जूंभक वि. (तत्.) 1. जँभाई लेने वाला 3. एक अस्त्र का नाम।

जूंभकास्त्र पुं. (तत्.) एक अस्त्र का नाम जो ऋषि विश्वामित्र ने राम को ताड़का-वध के बाद दिया था।

जूंभण पुं. (तत्.) 1. जुमहाई लेना 2. अंगों को फैलाना 3. खिलना।

जूंभा स्त्री. (तत्.) 1. जँभाई 2. आलस्य।

जूंभिका स्त्री. (तत्.) दे. जूंभ।

जूंभित वि. (तत्.) 1. जम्हाई लेता हुआ 2. फैला हुआ, फैलाया हुआ 3. खिला हुआ।